रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

सार्थक कदम है एनआरए, रहेगी पूरी पारदर्शिता : कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र

– रादुविवि आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ द्वारा 'राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी (एनआरए)' पर ऑनलाईन परिचर्चा का आयोजन

जबलपुर 29 सितम्बर। राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी (एनआरए) एक संवैधानिक संस्था है। निश्चित तौर पर चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होगी। यह ग्रुप सी एवं बी (गैर–राजपत्रित) पदों के लिए उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग करने के लिए सामान्य योग्यता परीक्षा (सीईटी) आयोजित करेगी। एनआरए के तहत वर्ष में दो बार परीक्षा आयोजित होगी और इसका स्कोर तीन वर्ष तक मान्य रहेगा। इस कदम से न सिर्फ भर्ती, चयन और नौकरी में प्लेसमेंट आसान होगा, बल्कि समग्र रूप से सुगमता सुनिश्चित होगी। यह एक सार्थक कदम है और एनआरए से जुड़े पाठ्यक्रमों को विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों में प्रारंभ करने की आवश्यकता है। उपरोक्त विचार माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी (एनआरए) पर आयोजित ऑनलाईन परिचर्चा की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए।

रादुविवि आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ द्वारा 'राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी (एनआरए) ' पर ऑनलाईन परिचर्चा में मुख्य वक्ता के रूप में रादुविवि के वरिष्ठ आचार्य एवं पूर्व कुलपति शिमला यूनिवर्सिटी, हिमाचल प्रदेश प्रो. ए.डी.एन. बाजपेयी ने कहा कि वर्तमान में सरकारी नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को पात्रता की समान शर्तों वाले विभिन्न पदों के लिए अलग–अलग भर्ती एजेंसियों द्वारा संचालित की जाने वाली भिन्न–भिन्न परीक्षाओं में सम्मिलित होना पड़ता है। जिसको लेकर कई तरह की परेशानियां सामने आती हैं। उम्मीदवारों को भिन्न–भिन्न भर्ती एजेंसियों को शुल्क का भुगतान करना पड़ता है और इन परीक्षाओं में भाग लेने के लिए लंबी दूरियां तय करनी पड़ती है। इन अलग–अलग भर्ती परीक्षाओं से उम्मीदवारों के साथ–साथ संबंधित भर्ती एजेंसियों पर भी बोझ पड़ता हैं। एनआरए से 10वीं उत्तीर्ण को भी उचित प्रकार की नौकरी मिलेगी, साथ–साथ इसमें किस प्रकार के रोजगार सृजित होंगे इसपर विचार करना जरूरी है। ऑनलाईन परिचर्चा का संचालन आयोजन संयोजक एवं आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. अंजना शर्मा ने किया।

ऑनलाईन परिचर्चा में इन्होने बताया–

प्रो. एस.पी. गौतम, वरिष्ठ प्राध्यापक बायोसाइंस विभाग ने कहा कि एनआरए आधारकार्ड, राशन कार्ड की तरह एक परीक्षा का सिद्धांत वाला संस्थान बनेगा। उम्मीदवार एक परीक्षा से कई भर्ती एजेंसियों में आवेदन कर पाएंगे। इसमें बार–बार होने वाले खर्च, कानून और व्यवस्था, सुरक्षा संबंधी मुद्दे और परीक्षा केंद्रों संबंधी समस्याएं शामिल हैं। साझी पात्रता परीक्षा (सीईटी) उम्मीदवार एक सामान्य योग्यता परीक्षा में केवल एक बार शामिल होंगे और उच्च स्तर की परीक्षा के लिए किसी या इन सभी भर्ती एजेंसियों में आवेदन कर पाएंगे। इससे छात्रों को आर्थिक, मानसिक व शारीरिक परेशानी से मुक्ति दिलाई जा सकती है। इसमें रोजगार 14 प्रतिशत केन्द्र एवं 86 प्रतिशत राज्य से प्राप्त होंगे।

प्रो. ममता राव, संकायाध्यक्ष विधि ने कहा कि वर्तमान में उम्मीदवारों को बहु–एजेंसियों द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न परीक्षाओं में भाग लेना होता है। एनआरए द्वारा गैर–तकनीकी पदों के लिए स्नातक, उच्च माध्यमिक (12वीं) और मैट्रिक (10वीं) पास उम्मीदवारों के लिए अलग से सीईटी का संचालन किया जाएगा,

जिसके लिए वर्तमान में कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) और बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (आईबीपीएस) द्वारा भर्ती की जाती है। इससे महिला अभ्यार्थियों को भी काफी राहत मिलेगी, क्योंकि कभी–कभी उन्हें इन दूरस्थ स्थानों पर स्थित इन केंद्रों तक पहुंचने के लिए उपयुक्त व्यक्ति को ढूंढना पड़ता है। एनआरए में कुल 1,000 केन्द्र खोले जाएंगे, हर जिले में एक केन्द्र होगा, जहां पर अभ्यर्थी परीक्षा दे सकेंगे प्रत्येक जिले में परीक्षा केंद्रों की अवस्थिति से सामान्य तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों के उम्मीदवारों और विशेष रूप से महिला उम्मीदवारों को अधिक लाभ होगा। एनआरए के लिए 1517.57 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है. व्यय तीन वर्षों की अवधि में किया जाएगा. एनआरए की स्थापना के अलावा, 117 आकांक्षी जिलों में परीक्षा आधारभूत ढांचा स्थापित करने के लिए भी राशि खर्च होगी।

प्रो. एस.एस. संधु, संकायाध्यक्ष जीव विज्ञान ने कहा कि एनआरए में विभिन्न स्तरों पर रिक्तियों पर भर्ती की सुविधा के लिए स्नातक स्तर, 12 वीं पास और 10 वीं पास वाले उम्मीदवारों के लिए अलग से सीईटी का संचालन किया जाएगा। . एनआरए के तहत एक बड़ा बदलाव यह होगा कि सीईटी 12 प्रमुख भारतीय भाषाओं में आयोजित किया जाएगा। जैसा कि हम जानते हैं कि केंद्र सरकार की नौकरियों में भर्ती केवल अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं में होती है। शुरुआत में सीईटी तीन एजेंसियों के लिए कर्मचारी चयन आयोग, रेलवे भर्ती बोर्ड और इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनेल सेलेक्शन भर्तियों को कवर करेंगे। इसका विस्तार भी चरणबद्ध तरीके से किया जाए।

प्रो. राकेश बाजपेयी, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय ने कहा कि प्रयोगात्मक दृष्टि से इसका एसिस्मेंट किया जाना है, एनआरए के तहत एक परीक्षा में शामिल होने से उम्मीदवारों को कई पदों के लिए प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिलेगा। एनआरए वर्ष में दो बार आनलाइन माध्यम से सीईटी आयोजित करेगा। अभ्यार्थियों का पंजीकरण, रॉल नंबर, एडमिट कार्ड, अंक पत्र, मेधा सूची आदि आनलाइन माध्यम से संचालित होंगी। सीईटी बहु भाषाओं में उपलब्ध होगी। यह देश के विभिन्न हिस्सों से लोगों को परीक्षा में बैठने और चयनित होने के समान अवसर प्राप्त करना सुविधाजनक बनाएगी। सीईटी बहु विकल्प प्रश्नों पर आधारित परीक्षा होगी और इसका स्कोरकार्ड तीन वर्षों तक मान्य होगा। इसके लिए देश के प्रत्येक जिले में एक परीक्षा केंद्र स्थापित किया जाएगा।

प्रो. धीरेन्द्र पाठक संकायाध्यक्ष कला ने कहा कि एनआरए एक बहु–एजेंसी निकाय होगी, जिसकी शासी निकाय में रेलवे मंत्रालय, वित्त मंत्रालय– वित्तीय सेवा विभाग, कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) और बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (आईबीपीएस) के प्रतिनिधि शामिल होंगे। एक विशेषज्ञ निकाय के रूप में एनआरए केंद्र सरकार की भर्ती के क्षेत्र में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का पालन करेगी। इससे गरीब पृष्टभूमि के उम्मीदवारों को राहत मिलेगी। सीईटी में भाग लेने के लिए अवसरों की संख्या पर कोई सीमा नहीं होगी। सरकार की मौजूदा नीति के अनुसार अजा, अजजा, अपिव तथा अन्य श्रेणियों के उम्मीदवारों को ऊपरी आयु–सीमा में छूट दी जाएगी। आने वाले समय में इस परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को प्रदान सीईटी स्कोर को केंद्र सरकार, राज्य सरकार, केंद्र शासित प्रदेशों, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम, निजी क्षेत्र की अन्य भर्ती एजेंसियों के साथ साझा किया जा सकता है।

डॉ. अमित गुप्ता, संकायाध्यक्ष, प्रबंधन संकाय ने कहा कि एनआरए में आवेदकों को एकल पंजीकरण पोर्टल पर पंजीकरण करना आवश्यक होगा। इसके तहत परीक्षा की तारीखों में क्लैश होने के बारे में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं होगी। यह उम्मीदवारों की प्रारंभिक या स्क्रीनिंग परीक्षा आयोजित करने की परेशानी

को दूर करेगा। भर्ती चक्र में भी काफी कम करेगा। यह परीक्षा के पैटर्न में मानकीकरण को भी प्रोत्साहित करेगा। यह विभिन्न भर्ती एजेंसियों की लागत को भी कम करेगा।

.....

शहीदे आजम भगत सिंह को किया याद

शहीदे आजम भगत सिंह की जयंती के अवसर पर विगत दिवस' विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती पार्क में शहीदे आजम भगत सिंह की प्रतिमा पर पुष्पमाला एवं पुष्प अर्पित कर उनकी कुर्बानी को याद किया गया। माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने कहा कि शहीदे आजम भगत सिंह युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनके संदेशों को ग्रहण कर युवा राष्ट्र के प्रति अपने को समर्पित करे।

इस अवसर पर प्रभारी कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा, प्रो. राकेश बाजपेयी, श्री राजमणि नासेरी, श्री बीरेन्द्र तिवारी, श्री दीपक नाहिर, श्री मनीष पिल्ले, श्रीलाल बैगा सहित विश्वविद्यालय के छात्र एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।